

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजन प्रतिवेदन

डिजिटल युग में बौद्धिक संपदा अधिकार

शासकीय टीसीएल पीजी कालेज में विधि विभाग और आईक्यूएसी के तत्वावधान में **“डिजिटल युग में बौद्धिक संपदा अधिकार”** विषय पर अंतरविषयक राष्ट्रीय सेमिनार व विधि विभाग व आईक्यूएसी द्वारा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग की अतिरिक्त संचालक क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर डा. ज्योति रानी सिंह थी। विशिष्ट अतिथि पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के डा. आलेख साहू, लॉ कालेज संबलपुर ओडिसा के प्राचार्य डा. बिजयेंद्र बेहरा, लॉ कालेज रायगढ़ के प्रो संतोष कुमार नाइक, कोरबा के ज्योति भूषण लॉ कालेज की प्राचार्य डा. किरण चौहान थे।

डा. ज्योति रानी सिंह ने कहा कि इस तरह के महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन बेहतर पहल है। इससे प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की रक्षा के लिए कापी राइट एक्ट ट्रेड मार्क, पेटेंट जैसे कई कानून -बने हैं। इस कार्यक्रम में आकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने इसके लिए प्राचार्य व संबंधित विभाग के प्राध्यापकों को धन्यवाद दिया। डा. एसके मधुकर, रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष डा. पीके सिंह व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आभा सिन्हा ने स्वागत भाषण के साथ सेमिनार के विषय वस्तु की संक्षिप्त जानकारी दी। इसके पश्चात विधि व रसायन शास्त्र के रिसोर्स पर्सन ने अलग- अलग कक्ष में अपने विषयों पर विचार रखे। विधि में डा. किरण चौहान, प्रो बी के पटेल, डीपी विप्र कालेज के प्रो. धर्मेन्द्र शर्मा सहित अन्य लोगों ने व्याख्यान दिया। इसी तरह विधि के सेमिनार में ऑनलाईन एवं आफलाईन के माध्यम से प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्र-छात्राओं ने भी रिसर्च पेपर पढ़ा।

विधि विभाग के सेमिनार में 254 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 23 रिसर्च पेपर पढ़े गए। प्रस्तुत शोध पत्रों की संक्षेपिका पत्रिका का प्रकाशन राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. एमआर बंजारे व आभार -प्रदर्शन डा. जीएन सिंह ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. अंबिका प्रसाद वर्मा कन्वेनर केके मिश्रा, डा. नरेश आजाद, डा. अभय सिन्हा, आयोजन समिति के सचिव ओपी सिंह को कन्वेनर, पूनम थवाईत, प्रो रमाकांत पांडेय, डा. मंजूलता कश्यप, डा. एमएल पाटले, प्रो. आरएस भगत, डा. डी. एस मरावी, डा. ईश्वरी सूर्यवंशी, डा. पुष्पा सिंह, प्रो धनेश्वरी पटेल, गणेश शर्मा सहित विधि के छात्र-छात्रा 'व प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

